

श्री रुद्रम्

РУДРАМ. НАМАКАМ

Анувака 3

नमः॑ सह॑मानाय॑ नि॒व्याधि॑न आ॒व्याधि॑नीनां॑ पतये॑ नमो॑



нама॑х са॒хамā॑नāя॑ ни॒व्याधि॑на̎ ā॒व्याधि॑नी॒नā॑म॒ पा॒ता॑е॒ नामो॑

Приветствия Тому, кто может не только противостоять врагам, но и победить их, кто может, не прилагая усилий, пронзить врагов. Приветствия Господу тех, кто может отражать удары со всех сторон.

नमः॑ ककु॑भाय॑ नि॒षङ्गि॑णे॑ स्ते॒नानां॑ पतये॑ नमो॑



नामा॑х का॒कु॒भा॒यā॑ नि॒षा॒ङ्गि॑ने॑ स्ते॒ना॒ना̎म॒ पा॒ता॑е॒ नामो॑

Приветствия Тому, кто прекрасно владеет мечом, вождю воров (похитителю людских сердец).

नमो॑ नि॒षङ्गि॑ण इ॒षुधि॑मते॑ तस्करा॑णां॑ पतये॑ नमो॑



नामो॑ ни॒षा॒ङ्गि॑ना̎ इ॒षु॒धि॒मा॒ते॒ तस्का॑रा॒णा̎म॒ पा॒ता॑е॒ नामो॑

Приветствия вождю грабителей, вооружённому луком и стрелами.

नमो॑ वञ्च॑ते॑ परि॒वञ्च॑ते॑ स्ता॒यूनां॑ पतये॑ नमो॑



नामो॑ वा॒न्चा॑ते॒ पा॒रि॒वा॒न्चा॑ते॒ स्ता॒यू॒ना̎म॒ पा॒ता॑е॒ नामो॑

Приветствия обманчивому и неуловимому вождю мародеров.

नमो॑ नि॒चे॒रवे॑ परि॒चरा॑यार॒ण्यानां॑ पतये॑ नमो॑



नामो॑ ни॒चे॒रा॒वे॑ पा॒रि॒चा॒रा॒यā॑रा॒ण्या॒ना̎म॒ पा॒ता॑е॒ नामो॑

Приветствия вождю бродячих лесных грабителей, всегда ускользающему от погони!

नम आसीनेभ्यः शयानेभ्यश्च वो नमो



नामा॑ आसी॑ने॒भ्यः॑ श॒या॒ने॒भ्यश्च॑ वो॒ न॒मो

Приветствия Тому, кто обитает как в сидящих, так и в лежащих.

नमः स्वपद्भ्यो जाग्रद्भ्यश्च वो नमो



नामा॑ स्वा॒पा॒द॒भ्यो॑ द्वा॒ग्रा॒द॒भ्यश्च॑ वो॒ न॒मो

Приветствия Тому, кто пребывает как в спящих, так и в бодрствующих.

नमस्तिष्ठद्भ्यो धावद्भ्यश्च वो नमो



नामा॑ स्ति॒ष्ठा॒द॒भ्यो॑ द्वा॒वा॒द॒भ्यश्च॑ वो॒ न॒मो

Приветствия Тому, кто пребывает как в движущихся, так и в неподвижных.

नमः सभाभ्यः सभापतिभ्यश्च वो नमो



नामा॑ स॒भा॒भ्यः॑ स॒भा॒पा॒ति॒भ्यश्च॑ वो॒ न॒मो

Приветствия Тому, кто присутствует как в собраниях, так и в вождях собраний.

नमो अश्वेभ्योऽश्वपतिभ्यश्च वो नमः ॥३॥



नामो॑ अ॒श्वे॒भ्योऽश्व॑पा॒ति॒भ्यश्च॑ वो॒ न॒मः॑ ॥३॥

Приветствия Тому, кто присутствует как в лошадях, так и в наездниках.